ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -23 अंक - 15 नवम्बर -I-2021 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. 8.50

ऑनलाइन वेबिनार 'स्वस्थ एवं सुखी परिवार-खुशहाली का आधार' • भारतवर्ष से गणमान्य महिलायें हुईं शामिल

मन और शरीर के रिश्ते को साधता : राजयोग

शांतिवन-आबू रोड। ब्रह्माकुमारीज़ के महिला प्रभाग द्वारा 'स्वस्थ एवं सुखी परिवार-खुशहाली का आधार' विषय पर आयोजित दो दिवसीय ऑनलाइन कॉन्फ्रेन्स को सम्बोधित करते हुए महिला प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी ने बताया कि एक स्वस्थ जीवन जीने के लिए स्वस्थ शरीर के साथ स्वस्थ मन का होना भी बहुत ज़रूरी है। राजयोग एक ऐसी विद्या है जिसके नियमित अभ्यास से हमारा मन, शरीर और रिश्ते तीनों ही कुशल और सुंदर हो जाते हैं। ब्रह्माकुमारीज़ की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका ब्र.कु. जयंती दीदी ने कहा कि स्वस्थ एवं सुखी परिवार के लिए स्वयं का स्वयं के साथ कम्युनिकेशन होना बहुत आवश्यक है। ब्रह्माकुमारीज़,जर्मनी की रीजनल कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. सुदेश दीदी ने कहा कि माँ के चरित्र का पहला प्रभाव जो बच्चों पर बचपन में पड़ता है वो जीवन भर रहता है। इसलिए माताएं अपने नैचुरल स्वभाव शीतलता, दिव्यता, श्रेष्ठता में रहें। ब्र.कु. संतोष दीदी, निर्देशिका,ब्रह्माकुमारीज़,सेंट पीटर्सबर्ग, रशिया ने कहा कि जब तक नर-नारी स्वयं के चरित्र में नूतन परिवर्तन की नींव नहीं रखते, तब तक ज़िन्दगी की गाड़ी खुशहाली के साथ आगे नहीं बढ़ सकती। महिला प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. शारदा दीदी ने कहा कि नारी शक्ति आध्यात्मिकता की छत्रछाया में समाज के परिवर्तन में भाग्यविधात्री है। ब्र.कु. डॉ. सविता,मुख्यालय संयोजक, महिला प्रभाग ने कहा कि महिलाएं जब भावनात्मक संतुलन रखती हैं तब परिवार में सुख शांति का माहौल बना रहता है। जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी दीदी ने कहा कि घर की ऊर्जा घर में रहने वालों के मन की स्थिति से बनती है। तो जिस प्रकार हमारे मन की स्थिति होती है, उसी आधार से हमारे रिश्ते बनते हैं। राजनीतिज्ञ सेवा प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका ब्र.कु. उषा दीदी ने कहा कि मूल्यों की स्थापना के लिए डाले गए अच्छे विचारों के बीज की परवरिश भी आवश्यक है। जयपुर-राजापार्क सबज़ोन संचालिका ब्र.कु. पूनम बहन ने कहा कि सारी समस्याओं की जड़ हमारे मनोविकार हैं। अतः अध्यात्म द्वारा जड़ को खत्म करने से ही पुनरुत्थान की ओर बढ़ सकते हैं। बहन अनिला भेडिया,महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री,छ.ग. ने कहा कि बचपन से ही अगर महिला अपने बच्चों में श्रेष्ठ संस्कारों का सिंचन करे तो भावी नागरिक चरित्रवान बन सकते हैं। किन्तु इसके लिए उसका खुद का जीवन उच्च संस्कारों से युक्त हो। विभावरी दवे,गुजरात राज्य महिला एवं बाल विकास मंत्री ने कहा कि जो सुख हम परिवार के साथ रह कर पा सकते हैं वो पैसे से, साधनों से नहीं पा सकते।

छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसुईया उइके ने कहा... आधुनिक संसाधनों का अति आकर्षण व्यक्ति को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से दूर कर रहा है। कुछ समय स्वयं के लिए निकाल परमात्मा को स्मरण कर मन को शांत करने से स्वतः ही परिवर्तन की शक्ति आती है और हर सम्बंध में सुख देने की भावना सहज हो जाती है।

ओडिशा के राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल ने कहा... मनुष्य के पास कितनी भी संपदा, कितना भी वैभव हो परंतु उससे शाश्वत प्रसन्नता नहीं मिल सकती। अगर हम प्रसन्नता चाहते हैं तो दुनिया की चीज़ों में उसे ढूंढ़ने का प्रयास न करें। त्याग से, आत्मबोध से ही हम सच्ची प्रसन्नता को प्राप्त कर सकते हैं।

निर्माण करने के लिए निर्माण होना भी बहुत ज़रूरी

अभियंता दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

धमतरी-छ.ग.। अभियंता दिवस के उपलक्ष्य में 'इमोशनल इंजीनियरिंग' विषय पर आयोजित संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह में इंजीनियर वी.के. शर्मा,कार्यपालन अभियंता,सीएसपीडीसीएल धमतरी, इंजीनियर प्रकाश साहू,कार्यपालन अभियंता,एम.आर. पी. डैम रूद्री, इंजीनियर के.के. मिश्रा,रि. कार्यपालन अभियंता,एम.आर.पी.डैम रूद्री सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मेहमानों के सम्मान एवं स्वागत के पश्चात् मंचासीन अतिथियों ने अपने विचार रखते हुए कहा कि हम यहाँ कुछ सीखने के लिए आये हैं, और यहां से सीखी गईं चीज़ें अवश्य ही हमारे जीवन में काम आयेंगी और जीवन में बेहतरी लायेंगी। इस अवसर पर ब्र.कु. सरिता दीदी ने कहा कि अभियंता अर्थात् निर्माणकर्ता। निर्माण करने के लिए निर्माण होना भी बहुत ज़रूरी है। जितनी हमारी भावनाएं अच्छी होंगी उतना निर्माण अच्छा होगा। आगे दीदी ने कहा कि कलियुग के इस अंतिम समय में विश्व नियंता स्वयं परमात्मा शिव पूरे विश्व का पुनः नवनिर्माण कर रहे हैं। मनुष्य को देवता बनाने का महान कार्य चल रहा है। हम भी परमात्मा शिव की शिक्षाओं को अपने जीवन में धारण कर अपने जीवन का सुंदर निर्माण करें। इस मौके पर कुमारी सुदीक्षा ने सुंदर नृत्य की प्रस्तुति द्वारा सभी का स्वागत किया एवं मयूर भाई ने दिव्य गीत की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. प्राजक्ता बहन ने किया।

आज सभी को सशक्त होने की ज़रूरत

ईश्वर के साथ स्नेह, शक्ति और विश्वास का बांधें सूत्र

नासिक-महा.। हमारे भारतीय संस्कृति में कई सालों से रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाता आ रहा है परंतु फिर भी हर साल महिला अत्याचार की लाखों घटनाएं होती रहती हैं। इसके साथ ही निराशा और अवसाद के कारण लाखों लोग आत्महत्या करते हैं जिसमें ज़्यादातर पुरुष होते हैं। अर्थात् आज महिला और पुरुष सभी को शक्तिशाली बनने की आवश्यकता है। उक्त विचार राजयोगी ब्र.कु. जीतेन्द्र भाई ने ब्रह्माकुमारीज़ के पंचवटी सेवाकेन्द्र पर आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम में व्यक्त किये। उन्होंने सभी का आह्वान करते हुए कहा कि आज हम ईश्वर के साथ स्नेह, शक्ति और विश्वास का सूत्र बांधें जिसका आधार ही त्याग हो, जिससे हमारी बहनें भी सुरक्षित हों और हमारे भाई भी मानसिक रीति से सशक्त रहें। तभी सही रक्षा बंधन का पर्व मनाया जा सकेगा। कार्यक्रम में ब्र.कु. जीतू भाई को हर्ष एजुकेशन एकेडमी की ओर से राजेश बेधमुधा और सी.ए. लोकेश पारख के द्वारा 'स्पीरिचुअल यूथ आइकॉन अवॉर्ड' देकर सम्मानित किया गया। नासिक उपक्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. वासंती दीदी ने सभी को रक्षासूत्र बांधकर आशीर्वचन दिए। कार्यक्रम संचालन सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. पुष्पा बहन ने किया। नासिक परिसर साप्ताहिक पत्रिका के संपादक ब्र.कु. दिलीप बोरसे, राजन भाई तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।